भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अं.स. ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 7वां क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन आयोजित किया

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधा संस्थान, जोरहाट, असम ने दिनांक 10 जुलाई, 2026 को "समुदाय विकास को बढ़ावा देने और विकसित भारत@2047 प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और प्रबंधन पर अनुसंधान की उन्नति" विषय पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 7वें क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन में वन-विज्ञान के पेशेवरों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और विभिन्न हितधारक संगठनों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया ताकि क्षेत्र-विशिष्ट अनुसंधान प्राथमिकताओं और सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया जा सके। सम्मेलन का प्रारंभ डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट के स्वागत भाषण से हुआ, जिसके बाद डॉ. सुधीर कुमार, उप-महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और डॉ. एच. एस. गिनवाल, उप-महानिदेशक (अनुसंधान), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के अभिभाषण हुए।

सम्मेलन का उद्घाटन कंचन देवी, आई.एफ.एस., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा किया गया। दिनांक 04 सितंबर, 2025 को आयोजित 6वें क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन की सिफारिशों पर कार्रवाई रिपोर्ट के साथ-साथ संस्थान की अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का एक अवलोकन, डॉ. ध्रुब ज्योति दास, प्रमुख, वनवर्धन एवं वन प्रबंधन प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. द्वारा प्रस्तुत किया गया। तकनीकी विचार-विमर्श में अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिन्होंने अपने-अपने राज्यों के प्रमुख वानिकी अनुसंधान मुद्दों, उभरती चुनौतियों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को प्रस्तुत किया। चर्चाओं में क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने, स्थान-विशिष्ट अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने और प्रौद्योगिकियों के प्रभावी हस्तांतरण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। असम वन विभाग के डॉ. राजेंद्र गरवाड, सीएसआईआर-निस्ट, जोरहाट के डॉ. मोंटू भुयान, असम कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. बोर्नाली महंत, सी.एम.ई.आर.टी.आई., जोरहाट के डॉ. एम.एम. बेग और असम वन विभाग की सायम्ब्रिता दत्ता सहित प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से विचार-विमर्श में भाग लिया और सतत वानिकी और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

सम्मेलन में डॉ. नितिन कुलकर्णी और डॉ. दिपायन डे द्वारा दो विषयगत व्याख्यान दिए गए।

ICFRE-RFRI ORGANIZES 7TH REGIONAL RESEARCH CONFERENCE FOR NORTH EASTERN REGION

ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam, successfully organized the 7th Regional Research Conference (RRC) for the North Eastern Region on 10 July, 2026 on the theme, "Advancement of Research on the Sustainable Utilization and Management of Natural Resources to Foster Community Development and Achieve Vikshit Bharat@2047." The Conference brought together forestry professionals, scientists, academicians and representatives from various stakeholder organizations to deliberate on region-specific research priorities and strategies for sustainable natural resource management. The Conference commenced with a welcome address by Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat, followed by addresses from Dr. Sudhir Kumar, Deputy Director General (Extension), ICFRE, Dehradun, and Dr. H. S. Ginwal, Deputy Director General (Research), ICFRE, Dehradun.

The Conference was inaugurated by Kanchan Devi, IFS, Director General, ICFRE, Dehradun. An overview of the Institute's research and extension activities, along with the Action Taken Report on the recommendations of the 6th Regional Research Conference held on 4 September, 2025, was presented by Dr. Dhruba Jyoti Das, Head, Silviculture Forest Management (SFM) Division, ICFRE-RFRI. The technical deliberations witnessed active participation from representatives of Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, Mizoram, Nagaland, Sikkim and Tripura, who presented the major forestry research issues, emerging challenges and priority areas of their respective States. The discussions focused on strengthening regional collaboration, addressing location-specific research needs and enhancing the effective transfer of technologies. Distinguished experts including Dr. Rajendra Garwad, IFS, Assam Forest Department; Dr. Montu Bhuyan, CSIR-NEIST, Jorhat; Dr. Bornali Mahanta, Assam Agricultural University; Dr. M. M. Baig, CMERTI, Jorhat and Sayambrita Dutta, Assam Forest Department, actively participated in the deliberations and shared valuable insights on critical issues related to sustainable forestry and natural resource management.

The Conference featured two thematic lectures by Dr. Nitin Kulkarni and Dr. Dipayan Dey.

PHOTO GALLERY: HIGHLIGHTS OF THE EVENT: -

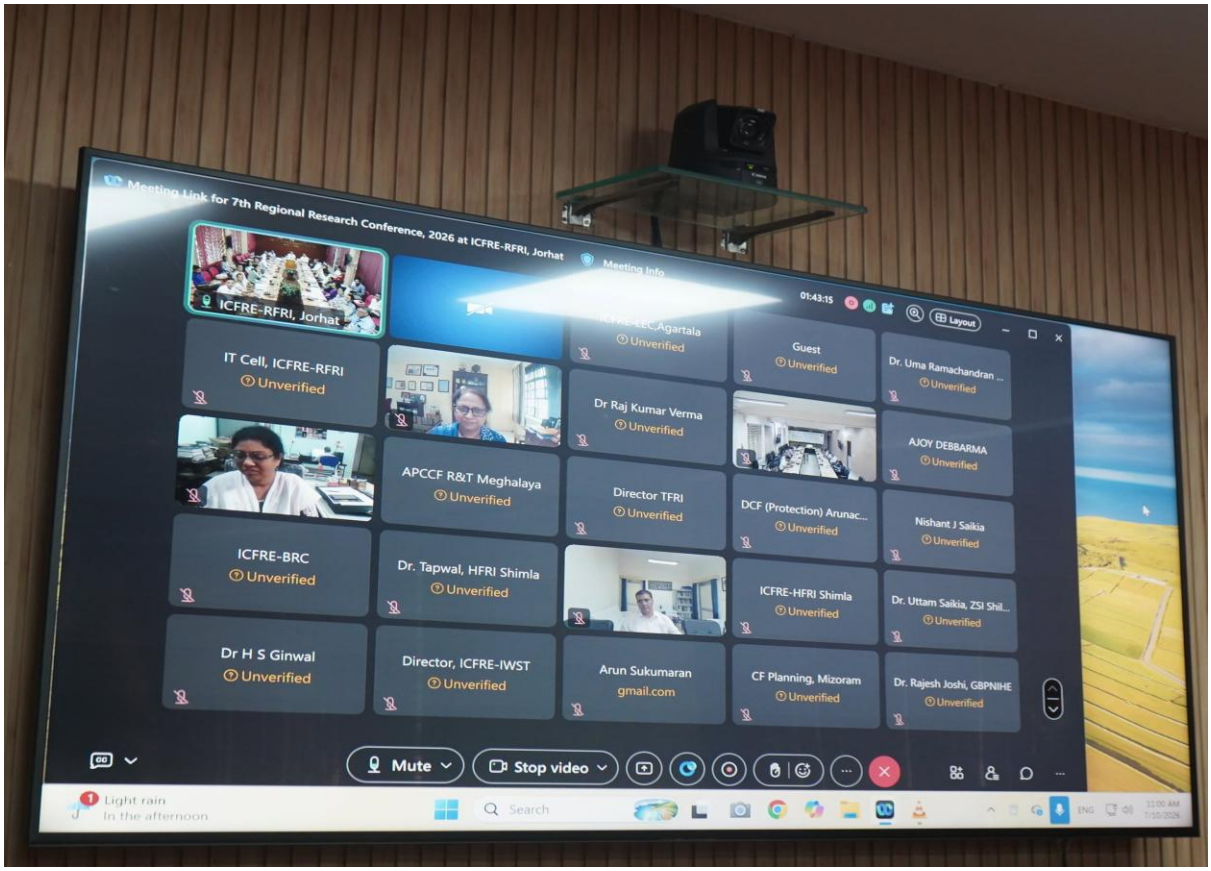
Meeting Link for 7th Regional Research Conference, 2026 at ICFRE-RFRI, Jorhat
ICFRE-RFRI, Jorhat
IT Cell, ICFRE-RFRI
Unverified
APCCF R&T Meghalaya
Unverified
ICFRE-BRC
Unverified
Dr. Tapwal, HFRI Shimla
Unverified
Dr H S Ginwal
Unverified
Director, ICFRE-IWST
Unverified
Arun Sukumaran
gmail.com
Dr Raj Kumar Verma
Unverified
Director TFRI
Unverified
Guest
Unverified
DCF (Protection) Arunac...
Unverified
ICFRE-HFRI Shimla
Unverified
CF Planning, Mizoram
Unverified
Dr. Uma Ramachandran ...
Unverified
AJOY DEBBARMA
Unverified
Nishant J Saikia
Unverified
Dr. Uttam Saikia, ZSI Shil...
Unverified
Dr. Rajesh Joshi, GBPNIHE
Unverified
Mute
Stop video
Light rain
In the afternoon
Search